## शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

### बी.ए. भाग–एक, आंतरिक मूल्यांकन

हिन्दी साहित्य, प्रथम प्रश्न पत्र-प्राचीन हिन्दी काव्य

Time – Three Hours

**अंक – 10**

नोट – कोई भी एक प्रश्न हल कीजिये –

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांश का सप्रसंग व्याख्यान कीजिए –

पूस जाड़ थरथर तन कांपा। सुरुज जाइ लंका दिसि चांपा।
विरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ। कंपि कंपि मरौ लेहि हरि जीऊ।
कंत कहॉ हैं लागौ ओहि हियरे। पंथ अपार सूझु नहि नियरे।
सौर सुषेती आवै जूड़ी। जानहुं सेज हिवचंल बूड़ी।

अथवा

सूरदास के काव्य – सौंदर्य का विवेचन कीजिए ?

---

## शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

### बी.ए. भाग–एक, आंतरिक मूल्यांकन

हिन्दी साहित्य, द्वितीय प्रश्न पत्र-आंतरिक मूल्यांकन

Time – Three Hours

**अंक – 10**

नोट – कोई भी एक प्रश्न हल कीजिये –

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

कायर ! भैया तेरा मरा, कारज किया बेटों ने और फिर सब हो गया तब तू मुझे रखकर घर नही बसा सकता था। तूने मुझे पेट के लिए पराई ड्योढ़ी लघवाई। चूल्हा मैं तबे फूँकूँ जब मेरा कोई अपना हो। ऐसी बांदी नही हूँ कि मेरी कुहनी बजे औरों के बिधिया सनके। मैं तो पेट तब भरुंगी, जब पेट का मोल लूंगी। समझा देवर ! तूने तो नही कहा तब। अब कुनबे की नाक पर चोट पड़ी, तब सोचा।

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर "गबन" उपन्यास की विवेचना कीजिए ?